न्यूज स्प्लैश

RNI No.: MAHHIN/2015/61572

● वर्ष :12 ● अंक :04 ● मुंबई, अप्रैल 2026 ● पृष्ठ:4 ● मूल्य :8 रु.

मुंबई में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ बड़ा एक्शन, बिना डिग्री चला रहे क्लिनिक, 2 गिरफ्तार

न्यूज स्प्लैश

मुंबई के गोवंडी स्थित शिवाजीनगर इलाके में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों बिना किसी वैध मेडिकल डिग्री और लाइसेंस के क्लिनिक चलाकर आम लोगों का इलाज कर रहे थे और उनकी जान के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

क्राइम ब्रांच की कक्ष-6 इकाई को गुप्त और विश्वसनीय सूचना मिली थी कि शिवाजीनगर क्षेत्र में कुछ लोग बिना किसी मेडिकल शिक्षा और अनुमति के डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका के 'एम वॉर्ड पूर्व' के सहायक वैद्यकीय अधिकारी के साथ संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई और इलाके के दो संदिग्ध क्लिनिकों पर छापा मारा।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने राजीव कपिलदेव रंजन (34) और कुबेरनाथ गोमती यादव (46) को मरीजों का इलाज करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों के पास न तो किसी मान्यता प्राप्त संस्थान की मेडिकल डिग्री है और न ही महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में उनका कोई पंजीकरण है। इसके बावजूद वे खुद को डॉक्टर बताकर लोगों को दवाइयां, इंजेक्शन और इलाज दे रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में मेडिकल सामग्री जब्त की है, जिसमें अलग-अलग प्रकार के इंजेक्शन, सिरिंज, एंटीबायोटिक दवाइयां और अन्य चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध गतिविधि में शामिल थे और भोले-भाले मरीजों से भारी रकम वसूलते थे।

इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ मेडिकल प्रैक्टिस से जुड़े कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इन फर्जी डॉक्टरों का कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है और क्या अन्य लोग भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इलाज के लिए केवल पंजीकृत और योग्य डॉक्टरों के पास ही जाएं। साथ ही किसी भी संदिग्ध क्लिनिक या व्यक्ति के बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और लोगों की जान को खतरे से बचाया जा सके।

मज़े की गोलीबारी पड़ी भारी: हवा में फायरिंग कर वीडियो बनाना पड़ा महंगा, तीन पर केस दर्ज

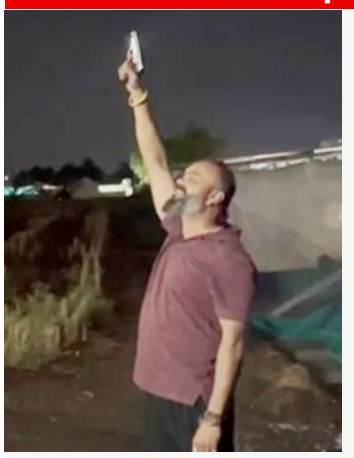

मज़े और दिखावे के लिए हवा में गोलियाँ चलाना पुणे ज़िले के एक परिवार को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में की गई इस हरकत ने अब उन्हें कानूनी शिकंजे में ला खड़ा किया है। यह मामला पुणे जिले के शिरूर तहसील के सिंदावने गाँव का है, जहां लांघे परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ अंधाधुंध फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, राजेश लांघे, उनकी पत्नी स्वाति लांघे और विजय कासेकर (जो कि एक रिटायर्ड सैनिक हैं) इस घटना में शामिल पाए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, लांघे दंपति मुंबई में रहते हैं और छुट्टियां मनाने के लिए अपने गांव सिंदावने आए थे। इसी दौरान उन्होंने विजय कासेकर की लाइसेंसी पिस्तौल से हवा में कई राउंड फायरिंग की और इसका वीडियो भी बनाया।

यह वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया

मुंबई में बोलबच्चन कर ठगी करने वाले सराईत आरोपी गिरफ्तार, चोरी की चेन बरामद

न्यूज स्प्लैश

मुंबईः भोइवाड़ा पुलिस ने चालाकी से बातचीत में उलझाकर चोरी करने वाले एक सराईत आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई 30 मार्च 2026 को

हुई घटना के बाद की गई, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति को निशाना बनाकर उनकी सोने की चेन चोरी की गई थी।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता जोसेफ फर्नांडिस (69) गोरीशंकर मिठाई की दुकान के पास से गुजर रहे थे, तभी दो अज्ञात युवक उनके पास आए। बातचीत के दौरान एक आरोपी ने उन्हें पहचानने का नाटक किया और दूसरे साथी ने भी विश्वास दिलाया कि वे उन्हें जानते हैं। इसी बहाने उन्होंने बुजुर्ग को बातचीत में उलझाकर उनके बैग में रखी सोने की चेन निकाल ली।

घटना के बाद जब शिकायतकर्ता को शक हुआ, तो उन्होंने शोर मचाया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी से पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर दूसरे आरोपी की पहचान की।

जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम नरेश उर्फ नन्या विजयकुमार जायसवाल (40) है, जो एक सराईत अपराधी है। उसके खिलाफ मुंबई के विभिन्न पुलिस थानों में पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके पास से चोरी की गई 12 ग्राम सोने की चेन बरामद की है। भोइवाड़ा पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सतर्कता और तत्परता से एक और अपराध का पर्दाफाश हुआ है।

मुंबई में हत्या का मामला 24 घंटे में सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

न्यूज स्प्लैश

मुंबईः आज़ाद मैदान पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले को महज 24 घंटे के भीतर सुलझाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 4 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10:45 बजे टाटा गार्डन के अंदर, चर्चगेट स्टेशन के पास बस डिपो के नजदीक सामने आई थी।

पुलिस के अनुसार, मृतक राहुल पंजवानी उर्फ पंजाबी (उम्र लगभग 50-55 वर्ष) पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने सिर पर गंभीर वार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में आज़ाद मैदान पुलिस थाने में धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने तुरंत मौके का निरीक्षण किया और फोरेंसिक टीम, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की मदद से सबूत जुटाए। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी आनंद पांडुरंग जाधव (52), निवासी पी. डी'मेलो रोड, फोर्ट, मुंबई को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसकी संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। इस त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम की सराहना की जा रही है।

संपादकीय...

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले १ साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले ३५ दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले ३५ दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले ४७ सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं। ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है।

ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

गहलोत का बयान, बीजेपी का बवाल और नैतिकता का नैरेटिव

राजनीति में बयान कभी सिर्फ बयान नहीं होते। वह संकेत होते हैं। संदेश होते हैं और कई बार सीधे वार भी। लेकिन अशोक गहलोत राजनीति के धुरंधर रहे हैं। आम तौर पर वे सीधे वार नहीं करते। इस बार भी नहीं किया। सिर्फ बेटों के सत्ता में दखल की बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने किसी का नाम नहीं लिया। सिर्फ सत्ता में बैठे लोगों के परिवारजनों के दखल की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल उठाया। गहलोत का यह बयान सिर्फ एक नैतिक अपील भर था। लेकिन बीजेपी ने इसे राजनीतिक प्रहार माना। उसी अनुपात में तड़प भी दिखी। गहलोत के किसी का नाम न लेने के बावजूद बीजेपी के कई तलवारें तानने लगे। और इसी से साफ हो गया कि गहलोत के बयान ने किस किस का नकाब नोचा। पूरे मुद्दे में अशोक गहलोत राजनीतिक बाजी मार गए। उनके बयान ने उनका नैतिक कद बढ़ा दिया। क्योंकि बीजेपी और उसके नेता असली मुद्दे पर जवाब देने के बजाय मामले को भटकाने लगे। गहलोत के बेटे के बहाने अपना बचाव की कोशिश करते दिखे। आम तौर पर बीजेपी नैरेटिव सेट करती है और कांग्रेस उस पर चलती है। लेकिन राजस्थान में सत्ता के विरोध में नैरेटिव इस बार कांग्रेस के दिग्गज नेता गहलोत ने सेट किया है। मुद्दा बीजेपी नेताओं की सत्ता में दखलंदाजी का है और बहस उसी पर जारी है।

गहलोत के सवाल पर सियासत सुलग उठी

राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे गहलोत ने कहा था कि नेताओं और मंत्रियों के बेटे और परिवारजन सरकार के कामकाज से दूर रहें। बस, इतने भर से ही सियासत सुलग गई। बीजेपी भड़क गई। गहलोत के किसी का भी नाम लिए बिना ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बयान आया। मंत्री मुखर हुए। प्रदेश अध्यक्ष तमतमाए। तो, बीजेपी के बाकी नेता भी बोले। जवाब मुद्दे पर कम, व्यक्ति पर निशाना ज्यादा था। बीजेपी बोली - गहलोत अपने बेटे को स्थापित नहीं कर पाए। इसलिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। बीजेपी की ये रणनीति नई नहीं है। मुद्दे को छोड़ो। व्यक्ति पर सवाल उठाओ। बहस को दूसरी दिशा में ले जाओ। असल सवाल था - सत्ता में परिवार की दखलअंदाजी क्यों हो रही है? लेकिन चर्चा हो गई - गहलोत अपने बेटे को आगे नहीं बढ़ा पाए। यही राजनीतिक डायवर्जन है। यानी मुद्दे से ध्यान हटाकर नैरेटिव बदल देना। बीजेपी और उसके नेता इसमें माहिर है।

असल मामला राजनीतिक नैतिकता का

सत्ता में परिवारजनों के दखल का ये विवाद दो स्तर पर चल रहा है। पहला स्तर नैतिकता का है कि राजनीति में परिवारजनों का प्रभाव सीमित होना चाहिए। और दूसरा नैरेटिव का। कौन किसे गलत साबित करेगा? बीजेपी नैरेटिव बदल रही है। गहलोत मुद्दे को बनाए रखना चाहते हैं। वे अनुभवी नेता हैं। जानते हैं कि कौन सा मुद्दा कब उठाना है। उनका यह बयान तीन स्तर पर काम कर रहा है - नैतिक ऊंचाई, बीजेपी को रक्षात्मक करना और खुद की उजली छवि को और चमकाना। गहलोत ने बहुत सादगी से ये कर लिया। यही उनकी शैली है। मगर, बीजेपी ने आक्रामक जवाब चुना। जवाब में मुद्दे की जगह व्यक्ति आया। यानी गहलोत बनाम बीजेपी। यह रणनीति बीजेपी के अल्पकालिक सुकून दे सकती है। लेकिन सत्ता में परिवारजनों के दखल का सवाल जिंदा है।

सरकारों में प्रभाव तो परिवारजन भी रखते ही है

राजस्थान की मौजूदा बीजेपी सरकार पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। कुछ नेताओं के परिवारजन वास्तव में सत्ता में दखल देते हैं, अफसरों पर प्रभाव रखते हैं। फैसलों में दखल देते हैं और सिस्टम को प्रभावित करते हैं। हालांकि ये आरोप हमेशा औपचारिक रूप से साबित नहीं होते। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा जरूर रहती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बेटे अभिषेक शर्मा हों या उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा के बेटे चिन्मय बैरवा, या मंत्री जोगाराम पटेल के बेटे मनीष पटेल, परिवारजनों और रिश्तेदारों को लेकर अक्सर सवाल उठाते रहे हैं। यह राजनीति का संवेदनशील क्षेत्र है। जहां आरोप होते हैं, प्रमाण भी होते हैं। लेकिन सियासत और सत्ता दोनों मिलकर, प्रमाणों को अक्सर अफवाहों में बदल देती है, क्योंकि सत्ता उन्हीं के हाथ है।

गहलोत संन्यास लें, तो पीएम मोदी क्यों नहीं

बीजेपी नेताओं ने सत्ता की शुचिता से जुड़े गहलोत के बयान को व्यक्तिगत लिया। जबकि गहलोत ने स्पष्ट कहा था कि बात सिद्धांत की बात है व्यक्तिगत नहीं। फिर भी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ बोले कि गहलोत ७५ साल के हो रहे हैं और उनको संन्यास ले लेना चाहिए। हालांकि राठोड़ यह भूल गए कि उनके अपने नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ७५ साल के हो रहे हैं। तो, क्या पीएम मोदी भी संन्यास ले लें? मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सोनिया गांधी राहुल गांधी को और गहलोत अपने पुत्र वैभव गहलोत को कई बार लॉन्च करने निकले, लेकिन जनता ने नकार दिया है। बेटे के अतिरिक्त महाधिवक्ता वाले विवाद में उलझे कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा जिनके घर कांच के होते हैं वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। तो, राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि पुत्र मोह रखने वाले गहलोत अब हमको नसीहत दे रहे हैं। बीजेपी के बयानों से साफ था कि 'डायवर्जन' कर रही है, वह मुद्दे से भाग रही है और बयानबाजी में उलझा रही है।

बहस जारी रहेगी, क्योंकि सियासत में बहस ही हथियार

वैसे, राजस्थान की राजनीति में गहलोत का यह बयान सहज नहीं। यह संकेत है आने वाले संघर्ष का। एक तरफ गहलोत हैं। जो सिद्धांत की बात कर रहे हैं। दूसरी तरफ बीजेपी है। जो जवाब तो दे रही है। लेकिन मुद्दे से भटककर। सवाल अब भी वही है कि क्या सत्ता में परिवार का हस्तक्षेप होना चाहिए? दरअसल विवाद सतही नहीं है। इसके पीछे गहरी रणनीति है। गहलोत ने इस बयान के बहाने एक बड़ा नैरेटिव सेट कर दिया हैं। बीजेपी जब तक इसका स्पष्ट जवाब नहीं देती, इस बयान पर बहस चलती रहेगी और बहस दर बहस गहलोत का नैतिक कद ऊंचा होता रहेगा। फिर इतना तो आप भी जानते ही है कि राजनीति के मैदान में बहस ही नेता का कद तय करती है।

-निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

वसई के चर्चित भोइदा पाड़ा का कुख्यात भूमाफिया गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी का खुलासा

राजावली जमीन घोटाले का खुलासा, मुख्य आरोपी 4 दिन की पुलिस हिरासत में

वसई : मीरा-भयंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच यूनिट-3 ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वसई के चर्चित भोइदा पाड़ा क्षेत्र के कुख्यात भूमाफिया सुरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रंधा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर अवैध जमीन कब्जा, गैरकानूनी निर्माण और करोड़ों रुपये की ठगी के गंभीर आरोप हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच आरोपी ने राजावली इलाके के सर्वे नंबर 146 (हिस्सा 3), सर्वे नंबर 148 और सर्वे नंबर 149 (हिस्सा 2) की लगभग 210 गुंठा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया। आरोप है कि उसने जमीन का पूरा व्यवहार किए बिना ही उसे कई चाल बिल्डरों को बेच दिया। इसके बाद वहां अवैध चालियों का निर्माण कर आम नागरिकों को बेचा गया, जिससे बड़ी संख्या में लोग ठगी का शिकार हुए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब असली जमीन मालिक को इस धोखाधड़ी की जानकारी मिली। जमीन मालिक ने जब अपने पैसे और वैध व्यवहार की मांग की, तो आरोपी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कथित तौर पर उसे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि सुरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रंधा और उसके सहयोगी अरविंद सिंह उर्फ दारा के खिलाफ पहले भी जमीन हड़पने, अवैध निर्माण कराने और लोगों को ठगने के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, इन दोनों ने इसे अपना पेशा बना लिया था और लंबे समय से संगठित तरीके से इस तरह की आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। उसे वसई की अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं, इस मामले में सह-आरोपी अरविंद सिंह उर्फ दारा फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और पीड़ितों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

नवी मुंबई में देर रात फायरिंग, एक युवक घायल

नवी मुंबई : ऐरोली इलाके में देर रात फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। अज्ञात बाइक सवार हमलावर ने दो युवकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 11:50 बजे छत्रपति शिवाजी रहिवासी चॉल इलाके में हुई, जो रबाले पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार एक अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचा और अमित मौर्य व संदीप गावस पर चार राउंड फायरिंग कर दी।

इस हमले में संदीप गावस बाल-बाल बच गए, जबकि अमित मौर्य के गर्दन में गोली लगी। घायल अमित को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुंबई रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि इलाके में लगे सीसीटीव्ही कैमरों में एक शख्स बाइक से आता हुआ और फायरिंग के बाद फरार होता दिखाई दिया है। फिलहाल पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और हमलावर की तलाश में जांच तेज कर दी गई है।

अवैध रूप से रहने वाले तीन बांग्लादेशियों को 14 माह की सजा

ठाणे की एक अदालत ने भारत में अवैध रूप से रहने वाले तीन बांग्लादेशी नागरिकों को 14 माह की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर.एस. भाकरे ने एक अप्रैल को सुनाया। दोषियों की पहचान जाहिद आइनाल खान (23), सपना मदन सिकदर (31) और जुइथी जहांगीर ढाली (25) के रूप में हुई है। तीनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हालांकि, अदालत ने उन्हें सबूतों के अभाव में आरोपों से बरी कर दिया था।

विले पार्ले से ७.६९ करोड़ नारकोटिक्स जब्त, युवक गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल ने विले पार्ले इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए ७.६९ करोड़ रुपये मूल्य के नारकोटिक्स बरामद किए और एक कथित ड्रग स्मगलर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई मुंबई में चल रहे ड्रग नेटवर्क को निशाना बनाने वाली स्पेशल ड्राइव का हिस्सा थी। एंटी-नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने मंगलवार को पेट्रोलिंग के दौरान फिरोजशाह मेहता रोड पर एक युवक को ट्रॉली बैग के साथ खड़ा देखा। पुलिस की गाड़ी आते ही युवक घबराया और भागने की कोशिश करने लगा। इस पर पुलिस ने तुरंत उसे रोका और पूछताछ की। युवक ने अपना नाम अदनान नासिर खान (२४) बताया, जो मीरा रोड का रहने वाला है और मूल रूप से नासिक का निवासी है। तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग के अंदर ७ किलोग्राम और ६०० ग्राम हाइड्रोपोनिक कैनाबिस बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह प्रतिबंधित पदार्थ अंतरराष्ट्रीय बाजार में उच्च कीमत वाला है, जिसकी कुल कीमत लगभग ७.६९ करोड़ रुपये आंकी गई है। इस ऑपरेशन में गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को शुरुआती पूछताछ में बताया कि वह इस गांजा को शहर में विभिन्न स्थानों पर सप्लाई करने का काम कर रहा था। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई मुंबई में बड़े पैमाने पर ड्रग सप्लाई नेटवर्क को कमजोर करने के उद्देश्य से की गई थी। मुंबई पुलिस का कहना है कि विले पार्ले ईस्ट इलाके में ट्रॉली बैग के साथ युवक का संदिग्ध व्यवहार और भागने की कोशिश ने अधिकारियों को सतर्क किया। इसके बाद उन्होंने तुरंत छानबीन शुरू की और नशीले पदार्थों की बरामदगी की। पुलिस ने बताया कि नासिर खान के खिलाफ नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब जांच कर रही है कि आरोपी किस नेटवर्क से जुड़ा है और शहर में नशीले पदार्थों की सप्लाई के लिए उसने किन माध्यमों का इस्तेमाल किया। अधिकारी यह भी बता रहे हैं कि मुंबई में चल रही इस स्पेशल ड्राइव के तहत समय-समय पर ऐसे ऑपरेशन किए जा रहे हैं,

ताकि शहर में ड्रग तस्करी और सप्लाई को रोकने के प्रयास तेज किए जा सकें। वर्ली यूनिट की यह कार्रवाई न केवल एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, बल्कि यह शहर में नशे के खिलाफ पुलिस की सतत निगरानी और सक्रियता का भी संकेत देती है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। अधिकारी यह भी कह रहे हैं कि शहर में ड्रग तस्करी और सप्लाई के मामलों को लेकर लगातार छानबीन की जा रही है और आने वाले समय में ऐसे नेटवर्क के अन्य सदस्य भी पकड़े जा सकते हैं। इस तरह की बड़ी कार्रवाई मुंबई पुलिस के एन्टी-नारकोटिक्स अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखी जा रही है, जिससे न केवल ड्रग सप्लाई को रोकने में मदद मिलेगी, बल्कि युवा और समाज को नशीले पदार्थों से सुरक्षित रखने में भी योगदान मिलेगा।

महाराष्ट्र में शिवसेना पदाधिकारी सोनू कल्याणकर की हत्या, ३ दिन में पब्लिक प्लेस पर ५ हत्या से दहला नांदेड़

छत्रपति संभाजीनगरः महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक बड़ी घटना सामने आई है। यहां पर शिवसेना के पदाधिकारी सोनू कल्याणकर की हत्या कर दी गई। चौंकानेवाली बात है कि पिछले तीन दिनों में नांदेड़ शहर में पब्लिक प्लेस पर हुई यह पांचवीं हत्या है। हालांकि पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक आरोपी को शहर के बाहरी इलाके में पीछा करने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारकर पकड़ा।

३५ साल के सोनू कल्याणकर सुबह ५:३० बजे के बाद व्यस्त श्रीनगर इलाके में सैर पर निकले थे। घात लगाए बैठे आरोपियों ने उनके ऊपर हमला किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी उसकी दिनचर्या पर पहले से नज़र रखे हुए थे। उन्होंने 'कुमार ड्रेसेस' के पास सोनू को रोका। उन्होंने सोनू कल्याणकर पर १७ से ज़्यादा बार चाकू से वार किए।

शरीर पर १७ घाव होने के चलते उसका बहुत ज़्यादा खून बह गया। वहां से गुज़र रहे लोगों ने सोनू को घ्ळ्ध चौक के पास एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि कल्याणकर के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

नांदेड़ में यह ताज़ा हत्या शनिवार तड़के 'कनाल रोड' पर हुई तिहरे हत्याकांड के बाद हुई है। वह तिहरा हत्याकांड दो गुटों के बीच हुई गैंगवार का नतीजा था। इसके २४ घंटे के भीतर ही रविवार को 'मुरमुरा गली' इलाके में एक और युवक, रणजीतसिंह तबेलेवाले की हत्या कर दी गई। इस हमले में तलवारों और कटारों का इस्तेमाल किया गया था। सोमवार को हुई हत्या से इलाके के लोगों में दहशत और बढ़ गई है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल की सभी घटनाओं में सार्वजनिक जगहों पर धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया है।

इस ताज़ा मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रसाद शिंदे, कृष्ण जोगदंड, रवि लोध और आकाश उर्फ अंकुश गंधमवार के रूप में हुई है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, स्थानीय क्राइम ब्रांच की टीम ने गंधमवार को 'झारी गांव' के पास ढूंढ निकाला। पुलिस को देखते ही उसने पास के खेतों की ओर भागने की कोशिश की और कथित तौर पर पुलिस पर गोली चलाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी बंदूक से चली गोली मिसफायर हो गई।

नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार ने बताया कि जब आरोपी ने दोबारा गोली चलाने की कोशिश की, तो सब-इंस्पेक्टर मिलिंद सोनकांबले ने अपनी और टीम के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए आत्मरक्षा में कमर के नीचे गोली चला दी। गोली गंधमवार के घुटने के पास लगी, जिसके बाद उसे पुलिस की निगरानी में एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हत्या की वजह कोई पुराना विवाद था। नवरात्रि के दौरान आरोपी और मृतक के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद कुछ दिन पहले फिर से बहस हुई। ऐसा लगता है कि इसी रंजिश के चलते यह हमला किया गया। हालांकि, हम इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या इसके पीछे कोई बड़ी साज़िश है।

इस मामले में सीधे तौर पर शामिल चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। उन्हें एक मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया। हमलावरों ने पुलिस पर फायरिंग की लेकिन मिस फायर से पुलिस की टीम बच गई। एक अपराधी के पैर में गोली लगी है।

अगर किसी की परोक्ष संलिप्तता या किसी बड़ी साज़िश का पता चलता है, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने बताया कि २०२१ की एक गोलीबारी की घटना से भी इसके तार जुड़ रहे हैं। इसकी संभावना पर जांच हो रही है। उस घटना में सोनू कल्याणकर पर कथित तौर पर रिंदा गैंग के सदस्य गोलू मंगनाले ने हमला किया था, जिससे वह बाल-बाल बच गए थे। गोलू मंगनाले फिलहाल जेल में है।

कल्याणकर हाल ही में ँव्ह छोड़कर शिवसेना में शामिल हुए थे और पार्टी के शहर युवा प्रमुख के तौर पर काम कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में हुए महाराष्ट्र नगर निगम चुनावोंमें टिकट मांगा था। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें हत्या का प्रयास और सरकारी कर्मचारी पर हमला शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी, जिनमें गंधमवार भी शामिल है, का भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

अबू आसिम आज़मी के बेटे अबू फरहान आज़मी को मिली समाजवादी पार्टी मे बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई शारुख कय्यूम

समाजवादी पार्टी के नेता विधायक अबू आसीम आजमी ने फिर एक बार अपने बेटे फरहान आज़मी को महाराष्ट्र को सियासत मे बड़ी ज़िम्मेदारी दी है जहाँ उन्हें मुंबई और महाराष्ट्र का प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया गया है पेशे से व्यवसाइक फरहान आज़मी इससे पहले भी समाजवादी पार्टी मे बतोर सक्रिया नेता काम कर चुके और भिवंडी से विधानसभा चुनाव लड़ चुके है वहीं महासचिव पद मिलने के बाद फरहान आजमी को समाजवादी पार्टी को मुंबई और महाराष्ट्र मे और मजबूती मिलने की संभावना नज़र आरही और संघठन को और मजबूती मिलने की उमीद है वहीं समाजवादी पार्टी के युवा नेता फ़हाद आजमी ने बताया अबू फरहान आज़मी एक युवा और दमदार नेता है जिससे पूरे महाराष्ट्र मे समाजवादी पार्टी मे एक नई ऊर्जा प्राप्त होगी और बतोर महासचिव फरहान आज़मी महाराष्ट्र मे एक युवा और दमदार नेता के रूप मे उभरेंगे पार्टी सूत्रों के अनुसार अबू फरहान आज़मी को यह जिम्मेदारी उनके संगठनात्मक कौशल और सक्रियता को देखते हुए दी गई है वे लंबे समय से पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है माना जा रहा है कि फरहान आज़मी की नई भूमिका से खासकर युवाओं के बीच पार्टी की पकड़ और मजबूत होगीवहीं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीद जताई है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे

जुहू में म्यूज़िशियन के घर के रेनोवेशन मामले में नकली बीएमसी अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई : जुहू पुलिस ने 71 वर्षीय म्यूज़िक इंडस्ट्री प्रोफेशनल अरविंद मेहरा के घर के रेनोवेशन के दौरान कथित धोखाधड़ी के मामले में एक पुराने क्लीन-अप मार्शल को गिरफ्तार किया। आरोपी पर आरोप है कि उसने खुद को बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर मेहरा के घर से मलबा हटाने के नाम पर 15,000 की मांग की। प्राथमिकी के अनुसार, मेहरा पिछले 15 दिनों से अपने विले पार्ले (वेस्ट) स्थित फ्लैट में रेनोवेशन करवा रहे थे। रेनोवेशन के दौरान निकले मलबे को अस्थायी रूप से सोसाइटी के कंपाउंड में रखा गया था, जिसके लिए पहले से सोसाइटी प्रशासन और ज़रूरी परमिशन भी ली गई थी। मामले का खुलासा तब हुआ जब मेहरा के घर के स्टाफ, 59 वर्षीय रामप्रसाद शर्मा ने पुलिस को बताया कि पिछले चार दिनों में एक आदमी घर आया और खुद को BMC का कर्मचारी बताता रहा। आरोपी ने कथित तौर पर चेतावनी

दी कि यदि मलबा फ्लैट के बाहर रखा गया तो 1.5 लाख का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके बाद उसने कथित तौर पर कहा कि पेनल्टी से बचने के लिए मामला 'सुलझा' लिया जाए और इस काम के लिए 15,000 की मांग की। रामप्रसाद शर्मा ने बताया कि आरोपी ने इस दौरान धमकी भी दी और कहा कि मामला ना सुलझाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्टाफ ने तुरंत मेहरा को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जुहू पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी एक पुराने क्लीन-अप मार्शल हैं और उन्होंने कई बार इस तरह की धोखाधड़ी की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में धारा 420 (धोखाधड़ी) और 467/468 (नकली दस्तावेज़ और फर्जी पहचान) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने मेहरा के अलावा अन्य लोगों को भी इसी तरह से ठगने की कोशिश की थी या नहीं।

सी एस एमटी स्टेशन पर महिला से बलात्कार,१२ घंटे में आरोपी गिरफ्तार

मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर कल मध्य रात्रि लोकल क प्लेटफार्म नंबर 1 के बाहर एक 20 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आयी है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी संतोष खड़े नामक व्यक्ति 38 वर्ष ने एक 20 वर्षीय महिला को पनवेल से मुंबई घुमाने ले। आया था पूरे दिन मुंबई के कई स्थानों पर उसे घुमाया फिराया और मध्य रात्रि में उसको प्लेटफार्म नंबर 1के बाहर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जब उस महिला को दौरा पड़ा तो रात्रि में ड्यूटी के दौरान जीआरपी के जवान ने उसको देखा कि महिला प्लेटफार्म 1 पर मिर्गी का दौरा पड़ा तभी उसको नजदीक के सरकारी अस्पताल सेंट जॉर्ज में भर्ती करवाया उसके इलाज के दौरान जब पुलिस ने महिला से पूछताछ किया तो महिला ने अपने साथ बलात्कार होने की बात कबूल किया इसके पुलिस ने इसकी जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संभाजी कटारे को दिया कटारे ने तत्काल इस पर कार्रवाई करने का आदेश दिया इसके बाद इस घटना को संज्ञान में लेकर सहायक पुलिस निरीक्षक अश्विनी पाटील तुरंत हरकत में आ गई और अपने टीम के साथ जॉच शुरू कर दिया और 12घंटे के भीतर आरोपी को स्टेशन परिसर में पकड़ लिया और पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया एपीआई पाटील ने सीनियर पीआई कटारे के निर्देश पर सीआर नंबर 257/ 2026 बीएनएस की धारा 64(2) (l) (K) (M) के तहत दर्ज कर उसको न्यायालय में खड़ा किया न्यायालय ने उसको पुलिस के ताबे में भेज दिया अब प्रश्न ये उठता है कि ये दरिंदो के वजह से महिलाएं कब सुरक्षित होंगी और इन दरिंदो पर पुलिस कितनी कड़ी कार्रवाई करेगी पर इतना जरूर है कि तेज तर्रार महिला अधिकारी अश्विनी पाटील और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संभाजी कटारे की सूझबूझ से यह आरोपी को जल्दी पकड़ लिया गया पूरी टीम ने सराहनीय कार्य किया है

मुद्रक, मालिक, प्रकाशकः मो. सलिम शेख ने प्रचिता प्रिंट प्रा.लि. गाला नं. 13, मकोबा बिल्डिंग, 'एस' ब्रिज के पास, एन.एम. जोशी मार्ग, भायखला (पश्चिम), मुंबई-400027 से मुद्रित कर अण्णाभाऊ साठे नगर, अहिल्याबाई चाल, चिखलवाडी, गोवंडी, मुंबई-400043 से प्रकाशित। संपादक मो. सलिम शेख (मो. 9870157735, 8454088383)